राज्यपाल सचिवालय
राज भवन जयपुर

प्राचीन शक्तिपीठ मां तनोट राय के दर्शन कर सभी की खुशहाली और मंगल की कामना की

आस्था और शौर्य का अद्भुत प्रतीक है तनोट माता मंदिर –राज्यपाल श्री बागडे

राज्यपाल ने ली आंतरिक सुरक्षा समन्वय की बैठक

राज्यपाल ने सीमावर्ती गांव रणाऊ के वाशिंदों के साथ किया संवाद

जयपुर/जैसलमेर 7 मार्च। राज्यपाल श्री हरिभाऊ बागडे ने शुक्रवार को भारत पाक सीमा पर स्थित प्राचीन शक्तिपीठ मां तनोट राय के दर्शन कर पूजा अर्चना की एवं समस्त प्रदेशवासियों के सुख समृद्धि और खुशहाली की प्रार्थना की। इस अवसर पर उन्होंने कहा तनोट माता मंदिर आस्था और शौर्य का अद्भुत प्रतीक है। यह मंदिर विषम परिस्थितियों में देश की रक्षा में तैनात जवानों की अटूट श्रद्धा का केंद्र है।

इस दौरान तनोट माता परिसर स्थित विजय स्तंभ पर सीमा सुरक्षा बल के जवानों ने उन्हें गार्ड ऑफ ऑनर दिया। वहीं, राज्यपाल श्री बागडे ने विजय स्तम्भ पर पुष्प चक्र अर्पित कर शहीदों को श्रद्धांजलि दी। इस मौके पर राज्यपाल को उपमहानिरीक्षक सीमा सुरक्षा बल नॉर्थ योगेंद्र सिंह राठौड़ ने उनका स्वागत किया एवं तनोट माता की तस्वीर भेंट की।

———

सीमा सुरक्षा बल के जवानों की हौसला अफजाई की

राज्यपाल श्री बागडे इसके पश्चात अंतर्राष्ट्रीय सीमा पर बावलियांवाला चौकी पहुंचे और वहां पर तैनात सीमा सुरक्षा बल (बीएसएफ) के जवानों से मुलाकात की । विषम परिस्थितियों में देश की सीमाओं की रक्षा कर रहे सैनिकों की प्रशंसा करते हुए उन्होंने कहा कि इन वीर जवानों के साहस और त्याग की बदौलत ही हम सभी देशवासी चौन की नींद सो पाते हैं।

राज्यपाल ने बावलियांवाला चौकी पर सैनिकों से संवाद कर परिचय प्राप्त करते हुए कहा कि आपके बीच आकर मैं अपने आप में एक नई ऊर्जा का एहसास कर रहा हूं। साथ ही, यह पल मेरे लिए सदा एक यादगार पल रहेगा। इस दौरान उन्होंने सैनिकों की हौसला अफजाई की एवं उनके साथ पूरी आत्मीयता दिखाई। उन्होंने सैनिकों को सम्मान स्वरूप फल और मिठाई भेंट की।

सीमा सुरक्षा बल पर पूरे देश को है गर्व

राज्यपाल ने कहा कि सीमा सुरक्षा बल देश की पहली रक्षा पंक्ति है। सीमा सुरक्षा बल के जवान हर जगह सतर्क और सीमा सुरक्षा के प्रति प्रतिबद्ध है। किसी भी तरह की चुनौतियों का मुंहतोड़ जवाब देने के लिए हर दम तैयार है। साथ ही उन्होंने कहा कि रात–दिन इस कठिन परिस्थितियों में मुश्किल इलाकों की सुरक्षा में तैनात सीमा सुरक्षा बल के जवानों पर हम सबको गर्व है।

———

राज्यपाल ने ली आंतरिक सुरक्षा समन्वय की बैठक

राज्यपाल श्री हरिभाऊ बागडे की अध्यक्षता में शुक्रवार को तनोट माता मंदिर परिसर में स्थित सीमा सुरक्षा बल के सभागार में जिला प्रशासन एवं सीमा सुरक्षा बल के उच्च अधिकारियों के साथ आंतरिक सुरक्षा समन्वय की बैठक आयोजित की गई। इस अवसर पर उन्होंने आंतरिक सुरक्षा व्यवस्था का मजबूत तंत्र, सीमावर्ती क्षेत्रों में सड़क, पेयजल सहित अन्य मूलभूत सुविधाएं विकसित करने की आवश्यकता पर जोर दिया। उन्होंने कहा कि देश की सीमाओं पर चौकसी जितनी जरूरी है, उतना ही आवश्यक यह है कि 'हमारे यहां आंतरिक सुरक्षा व्यवस्था प्रभावी रहे।

बैठक में राज्यपाल श्री बागडे ने पाक विस्थापित की स्थिति, अवैध मादक प्रदार्थों की तस्करी रोकथाम, तस्करी के खिलाफ की जा रही कार्रवाई,साईबर अपराधों के विरुद्ध आपरेशन सहित अन्य संबंधित बिंदुओं पर विस्तृत चर्चा कर स्थिति एवं सुरक्षा की जानकारी ली एवं नियमानुसार शीघ्र कार्रवाई के निर्देश दिए। साथ ही, उन्होंने युवाओं में बढ़ रही नशे की प्रवृति की रोकधाम एवं अवैध मादक प्रदार्थों की तस्करी करने वालों के खिलाफ सख्त कार्रवाई के भी निर्देश दिए।

————

राज्यपाल ने सीमावर्ती रणाऊ के वाशिंदों के साथ किया संवाद

राज्यपाल श्री हरिभाऊ बागडे ने सीमावर्ती गांव रणाऊ के राजकीय उच्च माध्यमिक विद्यालय में ग्रामीणों की सभा को संबोधित करते हुए कहा कि राजस्थान की धरती सदैव ही शूरवीरों की धरती रही है। उन्होंने कहा कि सीमावासियों ने सीमाओं की रक्षा के लिए सदैव सहयोग दिया इसके लिए वे बधाई के पात्र है। उन्होंने ग्रामीणों के साथ संवाद करते हुए उनसे क्षेत्र की पानी, बिजली, चिकित्सा एवं अन्य मूलभूत सुविधाओं का फीडबैक लिया। उन्होंने लोगों से प्रधानमंत्री आवास योजना में बनाए गए पक्के आवासों की जानकारी ली एवं संबंधित अधिकारियों को निर्देश दिए कि योजनाओं के पात्र लोगों को प्रधानमंत्री आवास स्वीकृत कर उन्हें लाभान्वित करें। राज्यपाल श्री बागडे ने विद्यार्थियों के साथ भी संवाद किया एवं उनके शैक्षिक स्तर की जानकारी ली।

———

ADC

TANOT VICTORY PILLAR
दाल बाटी व
A.C
तनोट माता मन्दिर के पास
बाजरे की रोटी
लहसुन चटनी
दही, छाछ
दाल फ्राई
लस्सी

TANOT VICTORY PILLAR
दाल बाटी व चू
A.C
तनोट माता मन्दिर के पास
बाजरे की रोटी
लहसुन चटनी
दही, छाछ
दाल फ्राई
लस्सी